दावोस सम्मेलन में मोदी बोले भारत में निवेश का सही समय

नई दिल्ली | विशेष संवाददाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि कोरोनाकाल में भी देश की अर्थव्यवस्था मजबूती से आगे बढ़ रही है। विदेशी कंपनियों के लिए भारत में निवेश का यह सही समय है। आने वाले 25 वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था पूरी दुनिया में एक मिसाल बनेगी। उन्होंने कहा कि महामारी के दौर में भी भारत ने विश्व के लिए उम्मीदों का खूबसूरत उपहार दिया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विश्व आर्थिक मंच के ऑनलाइन दावोस एजेंडा सम्मेलन में विश्व की वर्तमान स्थिति विषय पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि कोरोना के इस समय में भारत वन अर्थ, वन हेल्थ की दृष्टि पर आगे बढ़ रहा है। हमने कई देशों को जरूरी दवाइयां और टीके देकर करोड़ों जीवन बचाए हैं। आज भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा दवा उत्पादक है। जब से कोरोना महामारी की शुरुआत हुई, तब से देश में 80 करोड़ लोगों को मुफ्त भोजन दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शायद दुनिया में इस प्रकार का यह सबसे बड़ा कार्यक्रम होगा। सरकार की कोशिश है कि संकट के समय में गरीब लोगों की चिंता सबसे पहले हो। इस दौरान देश में आर्थिक सुधार पर भी जोर दिया दिया। सरकार के इन कदमों को लेकर दुनिया के अर्थशास्त्री भी सराहना कर रहे हैं।

25 वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था एक मिसाल बनेगी

80 करोड़ लोगों को दिया जा रहा कोरोना काल में मुफ्त भोजन

देश कोरोना का पूरी सतर्कता से सामना कर रहा : प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश पूरी सजगता और सतर्कता से कोरोना की एक और लहर से मुकाबला कर रहा है। साथ ही हम आर्थिक क्षेत्र में भी आशावादी परिणामों के साथ आगे बढ़ रहे हैं। भारत आज सिर्फ एक साल में ही 160 करोड़ कोरोना रोधी खुराक देने के आत्मविश्वास से भी भरा हुआ है। भारत जैसे मजबूत लोकतंत्र ने पूरे विश्व को एक खूबसूरत उपहार दिया है और वह उपहार है बुके ऑफ होप। इस बुके में भारतीयों का लोकतंत्र पर अटूट विश्वास और 21वीं सदी को सशक्त करने वाली प्रौद्योगिकी शामिल है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जिस बहुभाषी और बहुसांस्कृतिक माहौल में भारतीय रहते हैं, वह देश ही नहीं बल्कि पूरे विश्व की बहुत बड़ी ताकत है।

कई देशों के शीर्ष नेता विचार साझा करेंगे: यह कार्यक्रम 17 से 21 जनवरी, 2022 तक आयोजित किया जाएगा। इस दौरान जापान के प्रधानमंत्री किशिदा फुमियो, यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष उर्सुआ वॉन डेर लेयेन, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो सहित विभिन्न राष्ट्राध्यक्ष अपने विचार साझा करेंगे।